द्वारा प्रकाशित
महेन्द्र प्रकाश प्राइवेट लिमिटेड
ई – 42, 43, 44, सेक्टर–7, नोएडा–201301,
उत्तर प्रदेश, भारत.

सर्वाधिकार सुरक्षित,
प्रथम संस्करण, जनवरी 2017

आई.एस.बी.एन. 978-93-87241-17-6
भारत में मुद्रित –

कॉपीराइट © 2017
जेम एंड ज्वैलरी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया,
बिजनेस फैसिलिटेशन सेंटर, तृतीय तलए
एसईईपीजेड स्पेशल इकोनॉमिक जोन,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई 400096
फोनः 022-28293940 / 41/42
ईमेलः info@gjsci.org
वेबसाईटः www.gjsci.org

डिस्क्लेमर

इस पुस्तिका में शामिल जानकारी जेम एंड ज्वैलरी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त की गई है। जेम एंड ज्वैलरी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया उक्त जानकारी की सटीकता, पूर्णता या पर्याप्तता से जुड़ी सभी वारंटी को नामंजूर करता है। इसमें शामिल किसी भी जानकारी, या उसकी व्याख्या में किसी भी प्रकार की त्रुटि, चूक या अपर्याप्तता के लिए जेम एंड ज्वैलरी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। इस पुस्तक में शामिल कॉपीराइट सामग्री के स्वामियों का पता लगाने के लिए यथासंभव प्रयास किए गए हैं। प्रकाशक इस पुस्तक के भावी संस्करणों में सुधार करने के लिए मालिकों में लाई गई किसी भी चूक के लिए आभारी होगा। जेम एंड ज्वैलरी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया का कोई भी अधिकारी इस सामग्री पर भरोसा करने वाले किसी भी व्यक्ति को होने वाले किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। इस प्रकाशन में दी गई सामग्री कॉपीराइट के अधीन है। इस प्रकाशन के किसी भी भाग को जेम एंड ज्वैलरी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा अधिकृत किए गए बिना, किसी भी रूप्या किसी भी साधन में, चाहे वह कागज पर हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर, पुनरुत्पादित, संग्रह या वितरित नहीं किया जा सकता है।

"कौशल से बेहतर भारत का निर्माण होता है।
यदि हमे भारत को विकास की ओर ले जाना है तो
कौशल का विकास हमारा मिशन होना चाहिए।"

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत सरकार

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

GJSCI
Gem & Jewellery Skill Council of India

N·S·D·C
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

Certificate

COMPLIANCE TO QUALIFICATION PACK – NATIONAL OCCUPATIONAL STANDARDS

is hereby issued by the

Gem and Jewellery Skill Council Of India

for

SKILLING CONTENT : PARTICIPANT HANDBOOK

Complying to National Occupational Standards of

Job Role/ Qualification Pack: **'Frame Maker'** QP No. **G&J/Q0604/NSQF Level 4'**

Date of Issuance: Jan 20th,2017
Valid up to*: Jan 19th,2020

*Valid up to the next review date of the Qualification Pack or the 'Valid up to' date mentioned above (whichever is earlier)

Authorised Signatory
(Gem and Jewellery Skill Council Of India)

आभार

इस प्रतिभागी पुस्तिका के निर्माण हेतु जीजेएससीआई विद्या मजूमदार को धन्यवाद देना चाहेगा।
हम इस पुस्तक में बहुमूल्य इनपुट के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेम्स एंड ज्वैलरी जयपुर (आईआईजीजेजे) को धन्यवाद देने के इस अवसर का लाभ उठाना चाहते हैं। हम फाइन ज्वैलरी की प्रतिक्रिया एवं सुझावों के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। हम शिक्षा एवं कौशल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए हमारे विषय विशेषज्ञों के अंतहीन प्रयासों की सराहना करते हैं। हम खुले दिल से पूरे भारत दिल से पूरे भारत में जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर के छात्रों को प्रेरित करने एवं सुविधा प्रदान करने के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं।

भवदीय,

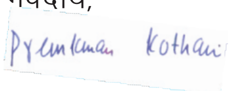

प्रेम कुमार कोठारी,
चेयरमैन, जीजेएससीआई

इस पुस्तक के बारे में

1. यह प्रतिभागी पुस्तिका विशिष्ट क्वालिफिकेशन पैक (क्यूपी) के लिए प्रशिक्षण देने हेतु डिजाइन की गई है।
2. प्रत्येक राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस) को इकाइयों के अंतर्गत शामिल किया गया है।
3. विशिष्ट एनओएस के लिए प्रमुख शिक्षण उद्देश्य उस एनओएस की इकाई के प्रारंभ में प्रदर्शित किए गए हैं।
4. इस पुस्तक में प्रयुक्त संकेतों का विवरण नीचे दिया गया है।
5. यह पुस्तक सुनार या कारीगर या बेंच कार्यकर्ता के द्वारा फ्रेम बनाने (मेकिंग) के बारे में है।
6. इसमें उत्पाद के लिए उचित तकनीकों को अपनाकर आवश्यक आकार, वजन एवं गुणवत्ता के आभूषणों के फ्रेमवर्क का निर्माण करना, घटकों को जोड़ना, खतरों को कम करते हुए एवं स्वतंत्र रूप से काम करना, शामिल किया गया है।

प्रयोग किये गये चिन्ह्

प्रमुख शिक्षा परिणाम

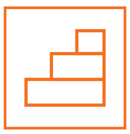
स्टेप्स

टिप्स

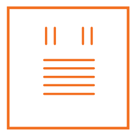
टिप्पणियाँ

यूनिट के उद्देश्य

अभ्यास

विषय – सूची

क्र.सं.	मॉड्यूल एवं यूनिट्स	पृष्ठ सं.
1.	परिचय	1
	यूनिट 1.1 – भारत में रत्न और आभूषण क्षेत्र	3
	यूनिट 1.2 – पाठ्यक्रम का उद्देश्य	10
	यूनिट 1.3 – आभूषण निर्माण प्रक्रिया में सुनार फ्रेम मेकर का उपयुक्त स्थान	11
	यूनिट 1.4 – एक सुनार फ्रेम मेकर के लिए रोजगार के अवसर	12
2.	सोना या मिश्र मेटल के आभूषण फ्रेम बनाना (G&J/N0605)	19
	यूनिट 2.1 – आभूषण निर्माण प्रक्रिया का परिचय	21
	यूनिट 2.2 – एक सुनार फ्रेम मेकर का कार्य	26
	यूनिट 2.3 – मेटल का परिचय	31
	यूनिट 2.4 – मिश्र धातु (अलॉय)	37
	यूनिट 2.5 – आभूषण के प्रकार	48
	यूनिट 2.6 – हीरे और रत्न का परिचय	63
	यूनिट 2.7 – सेटिंग्स के प्रकार	69
	यूनिट 2.8 – आभूषण बनाने के लिए घटकों या विष्कर्ष का प्रयोग	73
	यूनिट 2.9 – फ्रेम बनाने के लिए आवश्यक औजार और उपकरण	77
	यूनिट 2.10 – कार्य शीट पढ़ना	116
	यूनिट 2.11 – डिजाइन समरूपता, लचीलापन एवं उपयोगिता का महत्व	119
	यूनिट 2.12 – डिजाइन की आवश्यकताओं के अनुसार फ्रेम का निर्माण करना	128
	यूनिट 2.13 – फाईलिंग और अलग–अलग फ्रेम के भागों को संयुक्त करना	135
	यूनिट 2.14 – उत्पाद के त्रुटि का पता लगाना	142
	यूनिट 2.15 – सोने के व्यर्थ व्यय को नियंत्रित करना	147
	यूनिट 2.16 – कम्पनी के अनुसार गुणवत्ता मानक प्राप्त करना	150
	यूनिट 2.17 – उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखना	152
	यूनिट 2.18 – अपनी संस्था तथा उसके मानकों को जानना	154
	यूनिट 2.19 – कार्य के खतरे	156
	अभ्यास	158
3.	आईपीआर (IPR) का सम्मान करना एवं बनाए रखना (G&J/N9910)	161
	यूनिट 3.1 – आईपीआर (IPR) का दायरा	163
	यूनिट 3.2 – आईपीआर (IPR) के प्रकार	164
4.	अन्य लोगों के साथ समन्वय (G&J/N9912)	167
	यूनिट 4.1 – पारस्परिक क्रिया एवं समन्वय का महत्व	169
	यूनिट 4.2 – पर्यवेक्षक के साथ बातचीत करना	173
	यूनिट 4.3 – सहकर्मियों एवं अन्य विभागों के साथ बातचीत करना	176

विषय – सूची

क्र.सं.	मॉड्यूल एवं यूनिट्स	पृष्ठ सं.
5.	**कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा बनाए रखना (G&J/N9914)**	179
	यूनिट 5.1 – दुर्घटनाओं के संभावित स्रोतों को समझना	181
	यूनिट 5.2 – सुरक्षित रहने के लिए सुरक्षा संकेतों एवं उपयुक्त आवश्यकताओं को समझना	187
	यूनिट 5.3 – श्रमदक्षता शास्त्न (एर्गोनोमिक्स) या गलत आसन को समझना	196
	यूनिट 5.4 – अग्नि सुरक्षा संबंधी नियम	200
	यूनिट 5.5 – आपातकालीन स्थितियों से निपटने के तरीके को समझना	205
6.	**नियोजनीयता एवं उद्यमशीलता कौशल**	211
	यूनिट 6.1 – व्यक्तिगत क्षमताएं एवं मूल्य	216
	यूनिट 6.2 – डिजिटल साक्षरता: पुनरावृत्ति	237
	यूनिट 6.3 – धन संबंधी मामले	244
	यूनिट 6.4 – रोजगार व स्वरोजगार के लिए तैयारी करना	256
	यूनिट 6.5 – उद्यमशीलता को समझना	268
	यूनिट 6.6 – उद्यमी बनने की तैयारी करना	302

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

GJSCi
Gem & Jewellery Skill Council of India

1. परिचय

यूनिट 1.1 – भारत में रत्न और आभूषण क्षेत्र
यूनिट 1.2 – पाठ्यक्रम के उद्देश्य
यूनिट 1.3 – आभूषण निर्माण प्रक्रिया में सुनार फ्रेम मेकर का उपयुक्त स्थान
यूनिट 1.4 – एक सुनार फ्रेम मेकर के लिए रोजगार के अवसर

प्रमुख शिक्षा परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत में, आप निम्नलिखित में सक्षम होंगे:

1. भारत में आभूषण एवं रत्न क्षेत्र एवं इसके उप–क्षेत्रों पर चर्चा करने में।
2. सुनार–फ्रेम मेकर की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की व्याख्या करने में।

यूनिट 1.1: भारत में जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप सक्षम हो जाएंगे:

1. भारत में जेम एंड ज्वेलरी क्षेत्र के महत्व को समझने में।

1.1.1 भारत में जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर का महत्व

जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर, देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) दर में लगभग 6–7% का योगदान करते हुए, भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक, यह अत्यधिक निर्यात उन्मुख एवं श्रम–सघन क्षेत्र है।

विकास एवं मूल्य वृद्धि की दिशा में इसकी क्षमता के आधार, भारत सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में घोषित किया है। सरकार ने हाल ही में निवेश को बढ़ावा देने तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 'ब्रांड इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए तकनीक एवं कौशल के उन्नतीकरण के लिए कई कदम उठाए हैं।

भारत का जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर देश की विदेशी मुद्रा आय (एफईई) में काफी हद तक योगदान दे रहा है। भारत सरकार ने इस सेक्टर को निर्यात संवर्धन के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया है।

- लगभग 4,54,100 करोड़ रुपए के बाजार के साथ, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन एवं विदेशी मुद्रा आय के अलावा, इस सेक्टर की जीडीपी में भी लगभग 5.9% की हिस्सेदारी है।
- एक वॉलेट साझेदारी विश्लेषण से पता चला है कि भारत में उपभोक्ताओं द्वारा ऐच्छिक खर्चों का एक चौथाई से अधिक हिस्सा ज्वैलरी पर किया जाता है। भारत में बढ़ते आय स्तरों के साथ यह एक प्रमुख विकास कारक है।
- भारत में 20 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं की संख्या लगभग 229 करोड़ है। ज्वैलरी की प्रमुख ग्राहक श्रेणी, पेशेवर क्षेत्रों में नियोजित महिलाओं की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है।
- 2011–21 की अवधि में 25–29 वर्ष के आयु वर्ग वाले लोगों में 300 करोड़ से अधिक लोगों के साथ, 150 करोड़ से अधिक शादियाँ इस अवधि में होना अपेक्षित है।
- टियर 3 क्षेत्रों में, जहाँ जमींदार एवं महाजन वित्तीय ऋण का प्राथमिक स्रोत थे, वहाँ जौहरी स्वर्ण आभूषण के माध्यम से निवेश विकल्प प्रदान करने के साथ–साथ एक विकल्प के रूप में प्रकट हुए हैं।

1.1.1 भारत में जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर का महत्व

जेम एंड ज्वैलरी उद्योग का वर्गीकरण

- प्रोसेसिंग
  - डायमंड प्रोसेसिंग
  - जेमस्टोन प्रोसेसिंग
- मैन्युफैक्चरिंग
  - कास्ट एवं डायमंड सेट ज्वैलरी
  - हस्तनिर्मित स्वर्ण एवं जेम सेट ज्वैलरी
- खुदरा विक्रय
  - ज्वैलरी का खुदरा विक्रय

आकृति 1.1.1.1 जेम एंड ज्वैलरी उद्योग का वर्गीकरण

एनआईसी–2008 से आर्थिक गतिविधियों के आधार पर, इस सेक्टर के प्रमुख सब–सेक्टर हैं: प्रोसेसिंग (डायमंड एवं जेमस्टोन), मैन्युफैक्चरिंग (कास्ट एवं डायमंड सेट, तथा हस्तनिर्मित एवं जेम सेट) एवं खुदरा बिक्री

1.1.1 भारत में जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर का महत्व

- लगभग 4,54,100 करोड़ रुपए के बाजार के साथ, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन एवं विदेशी मुद्रा आय के अलावा, इस सेक्टर की जीडीपी में भी लगभग 5.9% की हिस्सेदारी है।

- असंगठित क्षेत्र में कर्मचारियों की बड़ी संख्या के साथ इस सेक्टर की अत्यधिक श्रम–प्रधान प्रकृति ने 2013 में 0.464 करोड़ से अधिक लोगों के लिए रोजगार पैदा किया है, यह 4.5 करोड़ की आबादी वाले भारत के सातवें सर्वाधिक आबादी वाले शहर, कोलकाता की आबादी से अधिक है, यह इस क्षेत्र की उच्च रोजगार सृजन क्षमता को दर्शाता है।

- डायमंड प्रोसेसिंग के लिए भारतीय बाजार – सूरत, अहमदाबाद; जेमस्टोन प्रोसेसिंग के लिए – भावनगर एवं जयपुर तथा हस्तनिर्मित स्वर्ण आभूषणों के लिए भारतीय बाजार – कोलकाता, त्रिशूर एवं कोयंबटूर – उन क्षेत्रों में से हैं, जो अपने उत्पादों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं।

- देश के हर क्षेत्र की अपने अनुरूप ज्वैलरी की एक अलग अनोखी शैली होती है। इन पारम्परिक ज्वैलरी प्रकारों के कुछ उदाहरणों में बीकानेरी, ढोकरा, मीनाकारी एवं फिलीग्री शामिल हैं।

- भारत सभी किस्म के उत्पादों के निर्माण का एक स्रोत है तथा वैश्विक जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर में इसकी उपस्थिति अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

1.1.1 भारत में जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर का महत्व

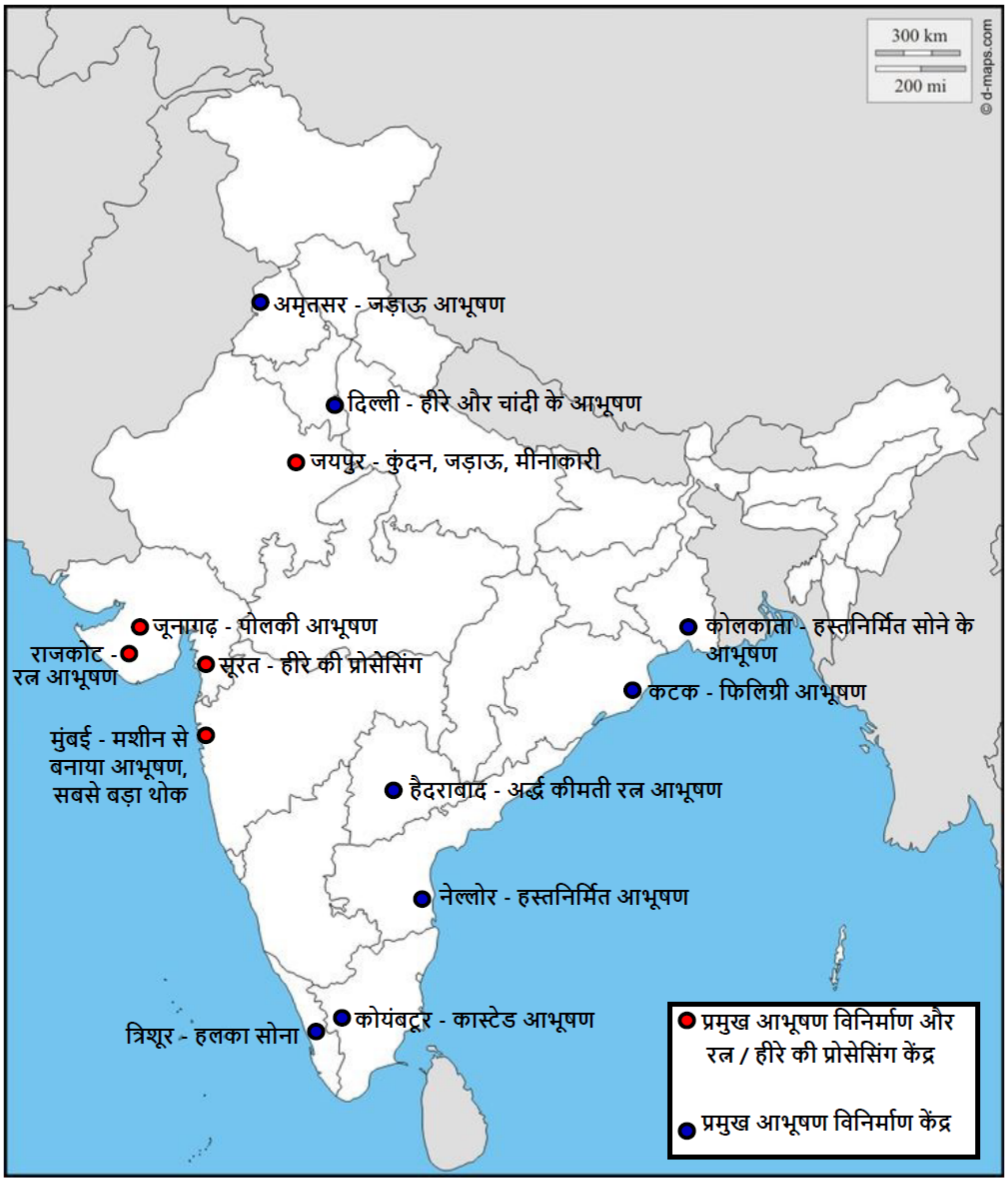

आकृति 1.1.1.2 भौगोलिक समूह : भारत में रोजगार समूह

- भारत में दो–तिहाई से अधिक क्षेत्र कर्मचारियों प्रोसेसिंग और मैन्युफैक्चरिंग के मूल्य श्रृंखला के भागों में कार्यरत है।
- ये कर्मचारी कुछ समूहों में कार्यरत हैं, जैसा कि उपरोक्त मानचित्र में दिखाया गया है।
- खुदरा विक्रय कर्मचारी महानगरों एवं टीयर–1 शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित गाँवों तक, पूरे देश में फैले हुए हैं।

1.1.1 भारत में जेम एंड ज्वैलरी सेक्टर का महत्व

प्रोसेसिंग और मैन्युफैक्चरिंग समूहों:

- इस क्षेत्र में रोजगार राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, केरल एवं तमिलनाडु में संकेंद्रित है।
- जयपुर एवं अमृतसर मीनाकारी के काम के साथ कुंदन जड़ाऊ ज्वैलरी के लिए प्रसिद्ध है, जबकि दिल्ली–एनसीआर को चांदी की ज्वैलरी के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, जयपुर भी दुनिया के सबसे बड़े रंगीन जेमस्टोन कटिंग एवं पॉलिशिंग केंद्रों में से एक है।
- सूरत दुनिया का सबसे बड़ा डायमंड प्रोसेसिंग केंद्र है तथा भारत के लगभग 85% रफ़ डायमंड आयात का प्रोसेसिंग करता है। सूरत में भारी मात्रा में कर्मचारी मौजूद हैं तथा दुनिया का प्रमुख डायमंड इंस्टिट्यूट, इंडियन डायमंड इंस्टिट्यूट (IDI) भी स्थित है।
- मुंबई, देश का सबसे बड़ा ट्रेडिंग केंद्र तथा थोक बाजार होने के साथ साथ, कास्ट एवं डायमंड सेट ज्वेलरी का एक प्रमुख केंद्र भी है।
- मुंबई में स्थित SEEPZ अकेले दुनिया के सबसे बड़े ज्वैलरी उपभोक्ता देश, अमेरिका के लिए लगभग एक–चौथाई आभूषण निर्यात करता है।
- त्रिशूर, केरल की पारम्परिक शैली वाली कम वजन वाली सादे सोने की ज्वैलरी के लिए केंद्र है, जबकि कोयंबटूर इलेक्ट्रोफॉर्म्ड ज्वैलरी के लिए प्रसिद्ध है।
- कोलकाता क्षेत्र हस्तनिर्मित गोल्ड ज्वैलरी के लिए प्रसिद्ध है।
- इसका महत्व इस तथ्य से भी प्रकट होता है कि देश में कुशल कारीगरों का एक बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से है। हालाँकि, हाल ही में विरासत में मिले कौशल में कमी की वजह से इस आपूर्ति में गिरावट देखी गई है।